

25/6/24 पत्रावली पेश हरी कोड़े की उपर  
नहीं हो वादी व वादी के प्रकीर्ण में  
बार-बार आवाज दिलाए गए। किन्तु वे  
उप. नहीं आये। जिल एरर में वादी का  
वाह अदम हाजये अदम पेशी में खाति  
की जाती हैं। पत्रावली जाला मुबार मोर  
नम्बर से कम हो वाद पूरा दालि  
दाला

